Content

" प्रसाद " एवं न्हानालाल के काव्यों का तुलनात्मक अध्ययन "

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन : पृ० १ से ८

प्रथम अध्याय : पृ० १४ से ६१

देश की समसामयिक परिस्थितियों का चित्रण

राजनैतिक परिस्थितियाँ; निष्कर्ष

सामाजिक परिस्थितियाँ ; निष्कर्ष

सांस्कृतिक परिस्थितियाँ - ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज,
थियोसोफिकल सोसायटी, रामकृष्ण मिशन ; निष्कर्ष ।

साहित्यिक परिस्थितियाँ - हिन्दी : छायावाद युग

गुजराती: प्रथम, द्वितीय, तृतीय उत्थान
अन्य भाषाओं के साथ संबंध
गुजराती साहित्य परिषद्

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय : पृ० ६२ से १०६

" प्रसाद " और न्हानालाल की जीवनी और व्यक्तित्व

प्राक्कथन

" प्रसाद " : जीवनी और व्यक्तित्व :

अध्ययन की आधारभूत सामग्री

जीवन वृत्त, जाति एवं वंश परिचय, वंश वृक्ष

"सुंघनी साहु" परिवार का आदर्श
बाल्य काल, शिक्षा-दीक्षा एवं ज्ञानार्जन
यात्राएं एवं प्रकृति प्रेम
महायात्रा
व्यक्तित्व : शारीरिक सौंदर्य, स्वभाव, सामाजिकता, रुचि एवं व्यसन, अन्य चारित्रिक विशेषताएं, मित्र गोष्ठी - - -
निष्कर्ष
कवि न्हानालाल : जीवनी एवं व्यक्तित्व :
अध्ययन की आधार भूत सामग्री
जीवन वृत्त, जाति एवं वंश परिचय, वंशवृक्ष
बाल्य काल, शिक्षा के क्षेत्र में अरुचि, अध्ययन के क्षेत्र में अनके आकस्मिक परिवर्तन
कवि का महाविद्यालय का जीवन
क्रिकेट का जीवन
पिता का निधन, डोलन शैली का जन्म
सरकारी नौकरी का प्रारंभ
सामाजिक समानता के प्रति
श्रद्धा का चमत्कार
दासत्व का त्याग
तुलनात्मक विश्लेषण

तृतीय अध्याय : पृ० १०८ से २१७

"प्रसाद" और न्हानालाल की विवेच्य कृतियों का परिचय

"प्रसाद" की विवेच्य कृतियां :
चित्राधार, कानन कुसुम, करुणालय, महाराणा का महत्त्व, प्रेम-पथिक, झरना, आंसू, लहर, कामायनी, नाटकों में रचे गीत।

न्हानालाल की विवेच्य कृतियां :

राज सूत्रोनी काव्य त्रिपुटी, केटलांक काव्यो भा० १, वसंतोत्सव, केटलांक काव्यो भा० २, चित्र दर्शनो, प्रेम भक्ति भजनावली, नाना नाना रास भा १,२,३, गीत मंजरी, दाम्पत्य स्तोत्रो, बालकाव्यो, ओज अने अगर, केटलांक काव्यो भा० ४, महेरामणनां मोती, सोहागण, पानेतर, हरि दर्शन, वेणु विहार, प्रज्ञा चक्षुनां प्रज्ञा बिंदु, कुरुक्षेत्र, द्वारिका प्रत्य, हरि संहिता - - -

तुलना व निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय : पृ० २१८ से ३२५

" प्रसाद " और न्हानालाल की भाव-व्यंजना का तुलनात्मक अध्ययन

" प्रसाद " की काव्य कृतियों का भाव-पक्ष :

चित्राधार, कानन कुसुम, करुणालय, महाराणा का महत्त्व, प्रेमपथिक, झरना, आंसू, आंसू में सौंदर्य चित्रण, विरहावस्था की मार्मिक एवं जीवन्त अभिव्यंजना, कामायनी, कामायनी में रसात्मक वस्तु वर्णन, भाव, रस, प्रसाद संगीत, निष्कर्ष

कवि न्हानालाल के काव्य की भाव-योजना :

केटलांक काव्यो भा० १, वसंतोत्सव, केटलांक काव्यो भा० २, चित्रदर्शनो, पितृतर्पण, प्रेम भक्ति भजनावली, नाना नाना रास, गीत मंजरी, दांपत्य स्तोत्र, सोहागण, पानेतर, ओज अने अजगर, केटलांक काव्यो भा० ३, महेरामणनां मोती, हरिदर्शन, वेणु विहार, प्रज्ञाचक्षुनां प्रज्ञाबिंदु, कुरुक्षेत्र में विविध रस - - - द्वारिका प्रत्य, हरिसंहिता भा० १,२,३ - - -

तुलनात्मक विश्लेषण :

समानता

असमानता

निष्कर्ष ।

पंचम अध्याय : पृ० ३२६ से ४६०

" प्रसाद " और न्हानालाल के काव्यों का कला-पक्ष -शास्त्रीय अध्ययन

" प्रसाद " : छन्द, अलंकार, गुण, दोष, भाषा, शैली (छायावादी)
चित्राधार, कानन कुसुम, करुणालय, महाराणा का महत्त्व, प्रेम पथिक,
निष्कर्ष

उत्तर छायावादी रचनाएं :

झरना, आंसू, लहर, कामायनी, प्रसाद संगीत

उपसंहार :

कवि न्हानालाल की काव्य कृत्यिों का कला सौष्ठव :-
रास काव्य, छंदोवद्ध काव्य, रणगीत, डोला शैली ।

षष्ठ अध्याय : पृ० ४६१ से ५३५

" प्रसाद " और न्हानालाल की विचार धाराएं

" प्रसाद " :

सामाजिक चेतना, आशावाद, पुरुषार्थ,
राष्ट्रीय चेतना,
दार्शनिक पक्ष,
नियतिवाद
समन्वयवाद
समरसता
आनंदवाद

न्हानालाल :

सामाजिक चेतना, आशावाद, पुरुषार्थ

दाम्पत्य-दर्शन

राष्ट्रीय चेतना,

दार्शनिक पक्ष, ब्रह्म दर्शन

तुलनात्मक विश्लेषण

निष्कर्ष

सप्तम अध्याय : पृ० ५३६ से ५४६

उपसंहार

सामान्य प्रवृत्तियां

विभिन्न प्रवृत्तियां

भावी संभावनाएं

निष्कर्ष : सारांश

संदर्भ ग्रंथ सूची : पृ० ५४७ से ५५६

" प्रसाद :

संस्कृत, हिन्दी, पत्र-पत्रिकाएं, अंग्रेजी

न्हानालाल :

गुजराती, पत्र-पत्रिकाएं, अंग्रेजी ।

०००००